दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union (Govt. Registered)

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 18 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 320

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लॉन्च किया युद्धपोत आईएनएस विंध्यागिरी

कोलकाता (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में जंगी जहाज आईएनएस विंध्यागिरी को लॉन्च किया। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड में इस जंगी जहाज को लॉन्च किया गया।इसका नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला के नाम पर आईएनएस विंध्यागिरी रखा गया है और यह प्रोजेक्ट 17ए का छठवां युद्धपोत है। इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है।

यह युद्धपोत एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर्स और नौसैनिक गन से लैस हैं। ये गन दुश्मन के जहाज या हेलिकॉप्टर पर हमला करने में सक्षम है।विंध्यागिरी से बराक-8 मिसाइल भी लॉन्च की जा सकती है। इसमें बेहतर स्टेल्थ फीचर्स, आधुनिक हथियार, सेंसर, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम, रडार सिस्टम और एंटी-सबमरीन वेपन सिस्टम भी हैं। इसकी लंबाई 149 मीटर है और ये लगभग 6,670 टन वजनी है। ये 28 समुद्री मील की रफ्तार से तैर सकता है।

विंध्यागिरी का नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला विंध्यागिरी के नाम पर रखा गया है। इससे पहले जिन युद्धपोतों को लॉन्च किया गया है, उनके नाम भी पर्वत श्रृंखलाओं के आधार पर आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस उदयगिरी, आईएनएस हिमगिरी, आईएनएस तारागिरी और आईएनएस दूनागिरी रखे गए थे।ये हवा, जमीन और पानी तीनों सतहों से आने वाले खतरों को बेअसर करने में सक्षम है। इसमें इस्तेमाल किए गए 75 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी हैं।

इससे पहले जुलाई, 1981 से जून, 2012 तक 31 साल के लिए आईएनएस विंध्यागिरी भारतीय नौसेना में रहा है। इस दौरान इस युद्धपोत ने कई चुनौतीपूर्ण अभियानों और अभ्यासों में अहम भूमिका निभाई थी।हालांकि, साल 2011 में आईएनएस विंध्यागिरी मुंबई पोर्ट पर एक जर्मन जहाज से टकरा गया था। इस हादसे के बाद युद्धपोत में आग लग गई और यह डूब गया।अब नए विंध्यागिरी को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड कर नौसेना में शामिल किया जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 7 युद्धपोतों का निर्माण किया जाना है। इसके तहत मझगांव डॉक लिमिटेड की तरफ से 4 और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड की तरफ से 3 युद्धपोत बनाए जाने हैं।2019 से 2022 के बीच 7 में 5 युद्धपोत लॉन्च हो चुके हैं। आईएनएस विंध्यागिरी इस प्रोजेक्ट का छठवां युद्धपोत है। इस प्रोजेक्ट के तहत सातवां और आखिरी युद्धपोत 2025 में लॉन्च किया जाना है।

आज अलग होंगे लैंडर-प्रोपल्शन मॉड्यूल; 23 अगस्त को चांद पर उतरेगा चंद्रयान-3

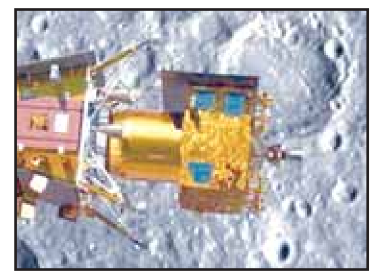

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रयान-3 की चौथी बार कक्षा बदली गई और वह चंद्रमा की कक्षा में पांचवें और अंतिम चरण में सफलतापूर्वक प्रवेश कर गया है। यह चंद्रमा की सतह के और भी करीब आ गया। इसके साथ अंतरिक्षयान ने चंद्रमा से जुड़े अपने सभी युद्धाभ्यास पूरे कर लिए हैं। इसरो ने ट्वीट कर जानकारी दी कि आज की सफल फायरिंग (जो थोड़े समय के लिए आवश्यक थी) ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा की 153 किमी & 163 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया।

इसके साथ चांद की ओर बढ़ने के सभी प्रवेश चरण पूरे हुए। अब प्रोपल्शन और लैंडर मॉड्यूल (जिसमें लैंडर और रोवर शामिल हैं) के अलग होने की तैयारी है। बृहस्पतिवार को लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल अलग होंगे। बता दें कि 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से रवाना होने के बाद चंद्रयान-3 ने तीन हफ्तों में कई चरणों को पार किया। पांच अगस्त को पहली बार चांद की कक्षा में दाखिल हुआ था।

इसके बाद 6, 9 और 14 अगस्त को चंद्रयान-3 ने अलग-अलग चरण में प्रवेश किया। इसरो ने इन तीन हफ्तों में चंद्रयान-3 को पृथ्वी से बहुत दूर स्थित कक्षाओं में स्थापित किया।

इसरो सूत्रों के मुताबिक, अलग होने के बाद लैंडर को डीबूस्ट (धीमा करने की प्रक्रिया) किया जाएगा, ताकि उसे एक कक्षा में स्थापित किया जा सके, जहां से पेरिल्यून (चंद्रमा से निकटतम बिंदु) 30 किमी और अपोल्यून (चंद्रमा से सबसे दूर का बिंदु) 100 किमी दूर है। 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास होगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

पुणे की उड़ान से ठीक पहले गेट पर बेहोश हुआ इंडिगो का पायलट, मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। नागपुर से पुणे जा रही इंडिगो की उड़ान से ठीक पहले गुरुवार को उसी उड़ान का एक पायलट बेहोश होकर बोर्डिंग गेट पर गिर गया। अस्पताल ले जाने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, नागपुर में हमारे एक पायलट के निधन पर हमें दु:ख है। नागपुर हवाई अड्डे पर उनकी तबीयत खराब हो गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां दुर्भाग्यवश उनका निधन हो गया। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। इस सप्ताह पायलटों की अचानक मौत का यह तीसरा मामला है, जिनमें से दो भारतीय हैं। कतर एयरवेज का एक अनुभवी पायलट बुधवार को एक यात्री के रूप में दिल्ली से दोहा जा रहा था। रास्ते में गंभीर रूप से बीमार पडऩे से उसकी मृत्यु हो गई। उड़ान क्यूआर 579 को बीच रास्ते से दुबई के लिए डायवर्ट किया गया। गौरतलब है कि यह पायलट पहले एलायंस एयर और स्पाइसजेट के साथ जुड़ा था।

सोना तस्करी में वांछित आरोपी को सीबीआई ने सउदी अरब में पकड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इंटरपोल की मदद से सोने के बिस्कुटों की अवैध तस्करी की साजिश रचने के एक आरोपी को सऊदी अरब से वापस लाने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी की पहचान मोहब्बत अली के रूप में हुई है। उसे गुरुवार को सऊदी अरब से भारत वापस लाया गया। वह एनआई द्वारा वांछित था और उसके खिलाफ रेड नोटिस भी जारी किया गया था। सीबीआई ने कहा कि एनआईए के अनुरोध के आधार पर आरोपियों के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया गया था। उसके खिलाफ एनआईए ने सऊदी अरब के रियाद से भारत में सोने की छड़ों की अवैध तस्करी की साजिश रचने का मामला दर्ज किया था।

म्यांमार में जेड खदान ढहने से मरने वालों की संख्या 33 हुई

यांगून। उत्तरी म्यांमार के काचिन राज्य में जेड खदान ढहने से मरने वालों की संख्या बुधवार को बढक़र 33 हो गई। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने हापाकांत के एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, तीन दिनों के बचाव अभियान के बाद, 33 शव बरामद किए गए हैं। यह हादसा रविवार दोपहर स्थानीय समयानुसार करीब तीन बजे हुआ। म्यांमार के जेड उद्योग के केंद्र हापाकांत में मा ना गांव के पास जेड खदान में 30 से अधिक लोगों के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी ने कहा, हम लापता लोगों की सही संख्या नहीं बता सकते। स्थानीय लोगों ने कहा कि 36 लोग लापता हैं।यह आंकड़ा बढ़ सकता है। हापाकांत क्षेत्र के निवासी टारलिन एमजी ने सिन्हुआ को बताया, कल तक बरामद किए गए 25 शवों को जोडक़र, आज आठ और शव पाए गए - सात सुबह और एक शाम को, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 33 हो गई। उन्होंने कहा, बचाव दल के प्रयास बुधवार शाम 4 बजे समाप्त हुए। गुरुवार को फिर बचाव का काम शुरू किया जायेगा।

सवारियों से खचाखच भरी नाव समंदर में पलटी, 60 से अधिक लोगों की मौत

केप वर्डे। अफ्रीकी देश केप वर्डे में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां सवारियों से भरी नाव समंदर में पलट गई। इस हादसे में कम से कम 60 लोगों के मारे जाने की आशंका है और 38 अन्य को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि नाव में 100 से अधिक लोग सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि जुलाई में सेनेगल से रवाना हुई एक प्रवासी नाव केप वर्डे के पास पलट जाने से 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई। पश्चिम अफ्रीकी तट से लगभग 620 किमी (385 मील) दूर एक द्वीप राष्ट्र केप वर्डे में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मछली पकडऩे वाली नाव एक महीने पहले सेनेगल से रवाना हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सेनेगल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि गिनी-बिसाऊ के नागरिक सहित 38 लोगों को नाव से बचाया गया। तट रक्षक ने कहा कि जीवित बचे लोगों और मृतकों की कुल संख्या 48 थी। स्थानीय मुर्दाघर के कर्मचारी ने कहा कि उसे सात शव मिले हैं। बता दें कि पिछले साल 2022 में कैनरी द्वीप तक पहुंचने की कोशिश में 559 लोगों की जान गई थी। इस साल के पहले छह महीनों में, कैनरी द्वीप तक पहुंचने की कोशिश में 126 लोग मारे गए या लापता हो गए।

पूरे भारत में भारी बारिश होने की संभावना

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को अपने लेटेस्ट अपडेट में पूरे भारत में भारी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी ने कहा कि गुरुवार और शनिवार को पूर्वी तथा आसपास के मध्य भारत में, साथ ही गुरुवार और 21 अगस्त को पूर्वोत्तर में भारी बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी ने अपने अपडेट में कहा कि पूर्वी भारत में हल्की से मध्यम छिटपुट से लेकर भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

आईएमडी ने आगे भविष्यवाणी की है कि गुरुवार को पश्चिम बंगाल में गंगा के मौदानी भागों, ओडिशा में शनिवार तक, गुरुवार और शुक्रवार को झारखंड में, गुरुवार और 21 अगस्त को बिहार में और 21 अगस्त को उप-हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी वर्षा होने की संभावना है।

इसके अलावा, गुरुवार को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश और शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वानुमान में मध्य भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

आईएएमडी ने कहा कि गुरुवार से शनिवार तक छत्तीसगढ़ में, शुक्रवार व शनिवार को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में, और शनिवार को पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की उम्मीद है।

शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का भी अनुमान है। पूर्वोत्तर में, अपेक्षित मौसम पैटर्न में गरज और आसमानी बिजली की गतिविधि के साथ-साथ हल्की से मध्यम छिटपुट से लेकर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा है कि 21 अगस्त तक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के साथ-साथ शनिवार से 21 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की प्रत्याशियों की पहली सूची

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। बीजेपी की पहली सूची में सीएम शिवराज सिंह चौहान और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के नाम नहीं हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह और अन्य वरिष्ठ बीजेपी नेताओं के नाम भी इस लिस्ट में नहीं हैं।

बीजेपी ने 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए 21 और मध्य प्रदेश के लिए 39 उम्मीदवारों की घोषणा की है. मध्यप्रदेश में 230 सीटें हैं। दोनों राज्यों में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश के लिए बीजेपी ने 39 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में ज़्यादातर रिज़र्व, अनुसूचित जाति जनजाति की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। पार्टी ने भोपाल उत्तर और मध्य विधानसभा सीट के लिए टिकट तय कर दिए हैं। इन सीटों पर ध्रुव नारायण सिंह और पूर्व महापौर आलोक शर्मा चुनाव लड़ेंगे। प्रीतम सिंह लोधी को भी पिछोर से टिकट दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में पांच महिलाओं, दस अनुसूचित जनजाति और एक अनुसूचित जाति के प्रत्याशी का नाम पहली लिस्ट में है। मध्य प्रदेश के उम्मीदवारों की पहली सूची में पांच महिलाएं, आठ अनुसूचित जाति और 13 अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशी शामिल हैं।प्रत्याशियों की लिस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कल हुई भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के एक दिन बाद आई है। सीईसी उम्मीदवारों के चयन और चुनाव रणनीति व तैयारी के लिए पार्टी की ओर से निर्णय लेने वाली संस्था है।उम्मीदवारों के नामों की पहले से घोषणा करने के बीजेपी नेतृत्व के फैसले का उद्देश्य पार्टी के भीतर मतभेदों की पहचान करना और मुद्दों को पहले से ही हल करने की कोशिश करना हो सकता है।इस साल की शुरुआत में कर्नाटक चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी एक और हार झेलने के मूड में नहीं है। इस साल के अंत में राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के साथ छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश उन पांच राज्यों में शामिल हैं जहां चुनाव होने वाले हैं।इनमें से छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विपक्षी दल कांग्रेस का शासन है. मिजोरम में मणिपुर हिंसा के मद्देनजर सहयोगी सत्तारूढ़ पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट के साथ बीजेपी के संबंध तनावपूर्ण हैं। वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर होने की संभावना है।

सभी निचली अदालतों में वर्चुअल सुनवाई बढ़ाने की योजना बना रहा है सुप्रीम कोर्ट: सीजेआई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट देश भर की सभी निचली अदालतों में वर्चुअल सुनवाई को सक्षम करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए अपना क्लाउड सॉफ्टवेयर स्थापित कर रहा है।

अनुच्छेद 370 पर संविधान पीठ की सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने सुझाव दिया कि क्या प्रौद्योगिकी-संचालित हाइब्रिड सुनवाई को जिला न्यायपालिका तक भी बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, यदि आप इसे (आभासी सुनवाई) मुफस्सिल अदालतों सहित निचली अदालतों तक ले जा सकें। यह सबसे बड़ा योगदान होगा।

इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, ईकोर्ट्स (प्रोजेक्ट) के तीसरे चरण में, हमारे पास एक बड़ा बजट है, इसलिए हम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए अपना खुद का क्लाउड सॉफ्टवेयर स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।

एक संक्षिप्त बातचीत में, उन्होंने याद किया कि कैसे राज्य सरकारें अदालतों में न्यायिक बुनियादी ढांचे के लिए धन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कुछ राज्य सरकारें बहुत सहायक हैं, अन्य हैं जिन्हें आप जानते हैं... मुझे याद है महामारी के समय, मैं उच्च न्यायालय का नाम नहीं लूंगा। उनके पास इन वीडियो (कॉन्फ्रेंसिंग) प्लेटफार्मों के लाइसेंस के भुगतान के लिए पैसे नहीं थे, सीजेआई ने कहा चंद्रचूड़ ने कहा.

उन्होंने कहा, वे (वह एचसी) बिल्कुल खराब स्थिति में थे। लॉकडाउन था और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बिना अदालत चलाना असंभव था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लाइसेंस उन्हें स्थानांतरित कर दिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के दीक्षांत समारोह में अपने हालिया संबोधन में, सीजेआई ने कहा था कि महामारी के दौरान, भारत भर की अदालतों ने वर्चुअल मोड के माध्यम से 43 मिलियन सुनवाई की।

उन्होंने कहा कि इन आभासी सुनवाई से विशेष रूप से महिला वकीलों को मदद मिली, क्योंकि अन्यथा उन्हें घरेलू काम और देखभाल की लिंग संबंधी मांगों के कारण अदालत में शारीरिक रूप से पेश होने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

पहले के अवसर पर, सीजेआई चंद्रचूड़ ने बताया था कि 23 मार्च, 2020 और 31 अक्टूबर, 2022 के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने अकेले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 3.37 लाख मामलों की सुनवाई की।

वर्चुअल सुनवाई को मौलिक अधिकारों का हिस्सा घोषित करने की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने इस बात पर जोर दिया था कि तकनीक सिर्फ महामारी के लिए नहीं है और उच्च न्यायालयों को वकीलों की भौतिक उपस्थिति पर जोर नहीं देना चाहिए।

इसने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष से वकीलों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग में सुधार के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विभिन्न राज्यों की बार काउंसिल से एक रिपोर्ट मांगने को भी कहा था।

अपने ई-पहल उपायों में, सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूब पर संविधान पीठ की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की और राष्ट्रीय महत्व की ऐसी सुनवाई के लाइव ट्रांसक्रिप्शन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण तकनीक का इस्तेमाल किया।

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए सीबीआई की स्पेशल 53 टीम गठित

❐ 29 महिला अधिकारी भी शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। मणिपुर में जातीय हिंसा की जांच के लिए विभिन्न रैंक की 29 महिला अधिकारियों समेत 53 अधिकारियों की सूची जारी कर दी गई है। सीबीआई जांच के दायरे में आए शुरुआती मामलों के लिए दो महिला डीआईजी रैंक के अधिकारी समेत 29 महिला को शामिल किया गया है। राज्य में हिंसा और महिलाओं के साथ हुए अत्याचार को लेकर 65 हजार के अधिक एफआईआर दर्ज किया है। इनमें से 11 मामलों की जांच सीबीआई को सौंपा गया है।

सभी अधिकारी संयुक्त निदेशक घनश्याम उपाध्याय को रिपोर्ट करेंगे, जो विभिन्न मामलों में जांच की निगरानी करेंगे। तीन मई को राज्य में पहली बार जातीय हिंसा भडक़ने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गए हैं, और कई सौ लोग घायल हुए हैं।

बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किये जाने के दौरान यह हिंसा भडक़ी थी। मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी नगा और कुकी समुदाय के लोगों की संख्या 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के चलते 70 से अधिक लोगों की मौत

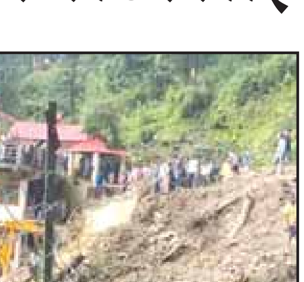

नई दिल्ली (आरएनएस)। हिमाचल और उत्तराखंड में प्रकृति का कोहराम लगातार जारी है. पिछले 5 दिनों से भारी बारिश ने ना सिर्फ आम जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया बल्कि लैंडस्लाइड का सिलसिला भी लगातार जारी है. ऐसे में प्रदेश में अभी तक कुल 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. जिसके चलते सरकार ने आज भी स्कूल कॉलेज बंद करने का फैसला किया है.

लैंडस्लाइड के कारण कई घर जमींदोज हो गये है. एक के बाद एक इमारतों के गिरना से सडक़ मार्ग अवरुद्ध हो गये है. ऐसे में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की सहायता से बचाव कार्य चलाया जा रहा है. हिमाचल में कांगड़ा स्थिति अधिका जटिल होने के चलते हेलिकॉप्टर से लोगों का रेस्क्यू लगातार जारी है.

आपदा के कारण अभी तक पिछले चार दिनों में कुल 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. हालांकि अभी इसके आधिकारिक आंकड़ें सरकार की तरफ से जारी नहीं किये गये है. वहीं कुदरती कहर के चलते राज्य सरकार को 10 करोड़ रुपये के नुकसान होने की आशंका जतायी जा रही है.

मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल में अगले 2 दिनों तक और उत्तराखंड में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. 18 अगस्त से अगले तीन दिनों तक यलो अलर्ट जारी किया गया है. इसमें मंडी, शिमला, कांगड़ा, सोलन, सिरमौर, कुल्लू, चंबा, ऊना, बिलासपुर व हमीरपुर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है. ऐसे में सरकार की ओर से एतिहात की तौर पर नदी नालों से दूर रहने को कहा गया है. साथ ही काम होने पर बाहर निकलने की अपील भी की गयी है.

बारिश से 10,000 करोड़ की तबाही ,राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

हिमाचल प्रदेश 50 साल की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। सामाजिक संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने 2005 के आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति को राष्ट्रीय आपदा या दुर्लभ गंभीरता की आपदा घोषित करने पर विचार करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री को भेजे एक लंबे पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य इस समय अभूतपूर्व आपदा से जूझ रहा है। पिछले एक महीने से आधी से ज्यादा आबादी भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगातार जिंदगी दांव पर लगाकर जी रही है। उन्होंने कहा कि ब्यास घाटी में आई बाढ़ इस बड़े पैमाने की आपदा का शुरुआती बिंदु थी जो अब राज्य के कई जिलों में फैल रही है। हजारों इमारतें आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। सैकड़ों लोगों की जान चली गई है, और हजारों परिवारों को अपना घर छोडक़र अस्थायी आश्रयों या रिश्तेदारों के यहां शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। स्थिति गंभीर है। लगभग दो हजार सडक़ें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, और सरकारी और निजी संपत्ति दोनों को महत्वपूर्ण नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि प्रारंभिक अनुमान से पता चलता है कि राज्य को 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का भारी नुकसान हो रहा है, जो अभूतपूर्व है। पत्र में कहा गया है कि दुर्लभ गंभीरता की इस आपदा के सामने केंद्र सरकार के आवश्यक समर्थन के बिना हिमाचल प्रदेश स्थिति से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिससे तत्काल सहायता में देरी हो सकती है और बड़े पैमाने पर परिवारों के दीर्घकालिक पुनर्वास में अनुचितता हो सकती है। इस परिदृश्य में राज्य आपदा राहत कोष राज्य के लोगों को त्वरित राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।''